

## GAIL EYES STAKE IN ASSETS ABROAD

## Rituraj Baruah

rituraj.baruah@livemint.com

NEW DELHI: State-run Gail (India) Ltd is in talks with several entities to acquire stakes in foreign gas-producing assets, said chairman and managing director Sandeep Kumar Gupta as India pushes efforts to achieve energy security. The company is interested in assets that are either already producing or on the verge of producing gas, Gupta said in an interview.

"We always keep looking out for possibilities the world over and if there are assets, especially if there are producing assets available or near- producing assets available, we will be more than interested to have our stakes in those assets. Several discussions are also going on," he said.

Gail has participating interest in two blocks—Al and A3— in Myanmar and 20% stake in a shale gas joint venture in Eagle Ford Basin, Texas, US. The company is part of a consortium in two offshore exploration and production blocks in Myanmar.

The emphasis on more producing assets is in line with the government's target of increasing the share of gas in India's energy mix to 15% by 2030 from the current 6%.

अनुसार,

PSU में कई

वर्षों बाद ऐसी

तेजी आई



## PSU स्टॉक्स में तूफानी तेज़ी क्यों, कैसी है आगे की राह?

पिछले सात महीनों में NBCC, IRFC, HUDCO, ITI और SJVN जैसे शेयर 250% तक चढ़े

Akhilesh.Singh1@timesgroup.com

 नई दिल्ली: अगस्त 2023 में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में कहा था, 'शेयर मार्केट में रुचि रखने वालों के लिए भी एक गरु मंत्र है। जिन सरकारी कंपनियों को ये लोग गाली दें, उन पर आप दांव लगा दीजिए। सब अखब ही होने वाला है। पीएम के उस बयान के बाद से कई सरकारी कंपनियों के शेयर तेजी से चढ़े। BSE पर 56 सरकारी कंपनियों का कुल मार्केट कैप अब 66 प्रतिशत बद्दकर करीब 60 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। NBCC, IRFC, HUDCO, ITI और SJVN र्जैसे शेयर 150 से 250 प्रतिशत तक चढ़ चुके हैं। मार्केट एक्सपटर्स का कहना है कि यह रफ्तार बनी रह सकती है।

• कैपिटल एक्सपेंडिचर का फैक्टर: 5 पैसा के लीड रिसर्च एनालिस्ट रुचित जैन ने कहा. 'पिछले कछ सालों में PSU स्टॉक्स अंडरपरफॉर्मर रहे। उनको प्राइवेट कंपनियों जितनी वैल्युएशन नहीं मिल पाती थी क्योंकि इनवेस्टर यह मानते थे कि PSU से बड़ा रिटर्न नहीं मिल सकता। कई सरकारी कंपनियां लंबे समय तक नुकसान में भी थीं। लेकिन मोदी सरकार का फोकस काफी अलग है। सरकार ने PSU का कारोबार बढ़ाने पर जोर दिया। इसके अलावा कुछ महीनों पहले जब ग्लोबल लेवल पर मंदी



जैसा माहौल था, उस दौरान हमारी कई सरकारी कंपनियो ने काफी कैपिटल एक्सपेंडिचर किया। प्राइवेट सेक्टर में ऐसा आत्मविश्वास नहीं था क्योंकि अमेरिका और यरोप में रिसेशन का खतरा था। इससे इनवेस्टर्स में आत्मविश्वास आया कि यह सरकार PSU को प्रॉफिटेबल बना रही है और यह सस्टेनेबल रहेगा।

फाउंडर निर्तिन केडिया ने कहा, 'कुछ समय पहले तक PSU के वैल्यूप्रशंस बहुत कम थे। PNB तीन साल पहले अपनी बुक वैल्यू के 0.25 पर ट्रेड कर रहा था। SBI और ITI जैसे शेयर भी कम वैल्यूएशन पर थे। रिटेल निवेशकों और म्यूचुअल फंड्स को इन शेयरों में मौका दिखा। म्यूचुअल फंड्स ने SIP से बड़ी मात्रा में आ रहे पैसे को इन शेयरों में लगाया। इससे इनमें तेजी

क्या कह रहा फ्री फ्लोट फैक्टर?: ITI सालभर में लगभग 240 प्रतिशत चढ़ा है। इसमें सरकार की 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। 9 फरवरी को ITI का मार्केट कैप 31,445 करोड था, लेकिन इसके फ्री फ्लोट

यानी खरीद-फरोस्त के लिए उपलब्ध शेयर बस इतने हैं कि उनकी वैल्यु 3144 करोड़ रुपये ही थी। इसी तरह इंडियन ओवरसीज बैंक सालभर में 175 प्रतिशत के आसपास चढ़ा है। इसमें सरकार की 96% से अधिक हिस्सेदारी है। एक लाख 34 हजार 415 करोड़ रुपये के कुल मॉकेंट कैप के मुकाबले इसके फ्री फ्लोट का मॉकेंट कैप 5376 करोड़ रुपये ही है। फ्री फ्लोट कम होने से जरा सी खरीदारी भी शेयरों को काफी उछाल देती है।

वैल्यएशन का कंफर्ट जोन: केडिया फिनकॉर्प के • क्या यह तेजी बनी रहेगी?: एक्सपर्ट रुचित जैन कहते हैं. 'PSU में ऐसी तेजी कई वर्षों बाद आई है। जब ऐसी बड़ी तेजी की शुरुआत होती है तो कुछ वर्षों तक बनी रह सकती है। अगर यही सरकार रहती है, तो PSU स्टॉक्स में बाइंग इंटरेस्ट बना रह सकता है। छोटी अवधि में देखें तो ये शेयर काफी चढ चके हैं लिहाजा कुछ मुनाफावसुली दिख सकती है। लॉना टर्म इनवेस्टर्स को चिंता करने की जरूरत नहीं है। प्रॉफिटब्किंग से जब

एक्सपर्ट के भी गिरावट आए, तो इन शेयरों में खरीदारी की जा सकती है।

•'...तो बड़ा निगेटिव असर पड़ता': एक्सपर्ट नितिन केडिया ने कहा, 'प्राइवेट कंपनियों को मार्केट पहले ही हाई वैल्यूशन दे चुका था। अब एक भी रिजल्ट खराब आता

है, तो उसका बड़ा निगेटिव असर पड़ता है। वहां रिस्क बढ़ जाता है। PSU की ओर देखें तो अब भी अधिकतर स्टॉक्स 10 के पीई से नीचे चल रहे हैं। प्राइवेट से तुलना करें तो इस तेजी के बावजूद PSU स्टॉक्स में अब भी काफी जान दिख रही है। PFC, REC, ITI, SBI, टूरिजम फाइनैंस और GAIL जैसे शेयर आगे भी अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। PSU स्टॉक्स में बुल रन लंबा चलने वाला है।"



## Gail seeks stakes in gas assets abroad

Rituraj Baruah rituraj.baruah@livemint.com NEW DELHI

state-run Gail (India) Ltd is in talks with several entities to acquire stakes in foreign gas-producing assets, said chairman and managing director Sandeep Kumar Gupta as India pushes efforts to achieve energy security. The company is interested in assets that are either already producing or on the verge of producing gas, Gupta said in an interview.

"We always keep looking out for possibilities the world over and if there are assets, especially if there are producing assets available or near-producing assets available, we will be more than interested to have our stakes in those assets. Several discussions are also going on," he said.

Gail, which already holds stakes in 10 exploration and production blocks in the country, has participating interest in two blocks—AI and A3—in Myanmar and 20% stake in a shale gas joint venture in Eagle Ford Basin, Texas, US.

The company is part of a consortium in two offshore exploration and production blocks in Myanmar.



Gail already holds stakes in 10 exploration and production blocks in the country.

The co is part

of a consortium

in two offshore

exploration and

production

blocks in

Myanmar

These blocks produce around 15.33 million metric standard cubic metres per day (mmscmd) of gas which is supplied to China through South

East Asia Gas Pipeline Company Ltd in which Gail is also an equity partner, according to its annual report for FY23.

Primarily a natural gas infrastructure, mar-

keting and trading company, Gail's revenue from exploration and production (E&P) business accounted for about O.8% of its total revenue from operations in the last financial year. Operational revenue from E&P stood at ₹1,134 crore, out of the overall revenue from

operations of over₹l.45trillion.

MINT

The move comes after a unit of Russian staterun Gazprom reneged on its contracted supplies to Gail starting May 2022, for around a year on

high spot prices.

Gazprom's former subsidiary, Gazprom Marketing and Trading Singapore (GMTS),

had signed an agreement with Gail to supply 2.5 million tonnes of liquified natural gas per annum for 20 years, starting in 2018-19.

Speaking on the matter, Gupta said: "That supply has been fully restored. We are getting full cargoes...supplies under that contract are progressing well."

The emphasis on more producing assets is in line with the government's target of increasing the share of gas in India's energy mix to 15% by 2030 from the current 6%.

Gupta also said that the company would look for more supplies through long-term contracts to ensure a stable price regime and curb the impact of volatility on consumers. "Our long-term contracts are of very high quantity and definitely spot contracts are much smaller. Spot supplies are vulnerable to the price fluctuations. So, basically we, as a buyer of natural gas, and our consumers, both of us want a stable price regime to explore that the operations are carried out."

The Gail CMD said discussions are underway with some neighbouring countries to import gas on their behalf to help them meet their demand.